हुजूर महाराज सालिग राम

सालिग राम , जो सम्मानजनक "हुजूर महाराज" और सरकार द्वारा प्रदत्त उपाधि "राय बहादुर" से जाने जाते हैं, का जन्म 14 मार्च 1829 को पीपल मंडी, आगरा में हुआ था। उन्होंने ब्रिटिश में डाकघरों के मुख्य निरीक्षक के रूप में कार्य किया था। भारत , और, 1881 में, उत्तर-पश्चिमी प्रांतों के पोस्टमास्टर -जनरल थे , जो इलाहाबाद में स्थित थे । वह इस पद पर आसीन होने वाले पहले भारतीय थे।

सालिग राम 1858 में आगरा में अपने गुरु शिव दयाल सिंह के संपर्क में आये। सालिग राम ने अपने गुरु को सर्वोच्च सत्ता के पहले भौतिक अवतार के रूप में पहचाना, जिन्हें सालिग राम ने "राधा स्वामी" नाम से बुलाया। सालिग राम ने कई वर्षों तक शिव दयाल सिंह की सेवा की और शिव दयाल सिंह की मृत्यु के बाद, सालिग राम अपनी नौकरी से सेवानिवृत्त हो गए, और आगरा में राधा स्वामी संप्रदाय ने गुरु की भूमिका निभाई। 6 दिसंबर 1898 को उनकी मृत्यु हो गई।

उत्तराधिकारी

कई शिक्षण वंशावली सालिग राम के वंशज हैं। इनमें से कुछ अधिक प्रमुख हैं:

राधास्वामी संप्रदाय

स्थित: हुज़ूरी भवन (हुज़ूर केंद्र), पीपल मंडी, आगरा शहर (अब उत्तर प्रदेश में)। यह सालिग राम का घर है, जहां उनके प्रत्यक्ष वंशज आज भी सत्संग करते हैं। इस स्थान को हुजुरी समाध के नाम से भी जाना जाता है, माना जाता है कि यह एक पवित्र स्थान है और यहां हर दिन सत्संग होता है। गुरुओं की वंशावली चलती है: सालिग राम को हजूर महाराज के नाम से जाना जाता है - अजुध्या प्रसाद को लालाजी महाराज के नाम से जाना जाता है (सालिगाम के पुत्र) - राम कुँवर जी महाराज को - गुरुर पसरा (लालाजी महाराज के बड़े पुत्र - दादाजी महाराज (पौत्र) के रूप में जाना जाता है कुँवर जी महाराज की)

राधा स्वामी केंद्रीय प्रशासनिक परिषद

स्थित: स्वामी बाग, आगरा। वंश: सालिग राम - ब्रह्म शंकर मिश्रा - महेश्वरी देवी (बुआजी साहेबा) - माधव प्रसाद सिन्हा।

दयालबाग सभा

स्थित: दयालबाग , आगरा। वंश: सालिग राम - ब्रह्म शंकर मिश्रा - कामता प्रसाद सिन्हा - आनंद स्वरूप (संस्थापक) - गुरुचरण दास मेहता - मुकुंद बिहारी लाल - प्रेम सरन सत्संगी । दयालबाग की स्थापना सर आनंद स्वरूप, के.टी. ने की थी। वर्तमान गुरु प्रेम सरन सत्संगी आईआईटी दिल्ली के एक सेवानिवृत्त भौतिक विज्ञानी और सिस्टम वैज्ञानिक हैं। शिव दयाल सिंह की 200वीं जयंती अगस्त 2017 से 24 अगस्त 2018 तक दयालबाग में मनाई गई।

राधा स्वामी

स्थित: गोपी गंज, मिर्ज़ापुर , उत्तर प्रदेश । वंश: सालिग राम - शिवब्रतलाल वर्मन (संस्थापक)।

मनुष्य मंदिर बनो

स्थित: मानवता मंदिर , होशियारपुर , पंजाब। वंश: सालिग राम - शिवब्रतलाल वर्मन - फकीर चंद (संस्थापक) - भगत मुंशी राम और ईश्वर चंद्र शर्मा ।

राधा स्वामी सत्संग, दिनोद

स्थित: दिनोद , भिवानी, हरियाणा। वंश: सालिग राम - शिवब्रतलाल वर्मन - राम सिंह अरमान - ताराचंद (संस्थापक) - कंवर सिंह।

पुस्तकें

सालिग राम ने शिव दयाल सिंह की बातचीत के साथ-साथ उनके स्वयं के लेखों का "सार" प्रकाशित किया। उन्होंने निम्नलिखित पुस्तकें लिखीं:

- प्रेम पत्र राधा स्वामी (छह खंड)
- प्रेम बनि राधा स्वामी

- राधा स्वामी मत प्रकाश (अंग्रेजी)
- राधा स्वामी मत सन्देश
- राधा स्वामी मत उपदेश
- सार-उपदेश
- निज-उपदेश
- गुरु-उपदेश
- जुगत प्रकाश